• बाल कविता...

आसमानी कक्षा

आसमान की कक्षा में
चांद बना है टीचर,
तारों को वह पढ़ा रहा
हौले से मुस्काकर।
टिम्मक-टिम्मक तारे अपने
साथी लगे बुलाने,
छोड़ो खेल-कूद, शैतानी
टीचर लगे पढ़ाने!
दौड़े तारे जल्दी से
नन्हे-नन्हे पग धर!
झलमल-झलमल नई रोशनी
बांटो इस दुनिया को,
कहता चंदा-मुसकानों से
नहला दो बगिया को।
हर क्षण को त्योहार बनाकर
गाओ, जीवन भर!
यह प्यारा-सा चित्र रोज
पलकों में उगता है,
जब भी सपनों में आता
जादू-सा जगता है।
मन करता, नीला अंबर
बन जाए मेरा घर!

-प्रकाश मनु

• चुटकुले...

स्टूडेंट (टीचर से) – Miss आपने कल मुझे कॉल किया था क्या..?
टीचर – नहीं तो...?
स्टूडेंट – कमाल है... मेरे फोन पर लिखा था Miss Call

शादी में एक आदमी ने 7–8 गुलाबजामुन लिए और सबको थोड़ा–थोड़ा खा–खाकर प्लेट में रख रहा था।
किसी ने पूछा कि भाई साहब मीठा है या नहीं, यह चेक कर रहे हो क्या?
तो वह बोला – नहीं–नहीं, अब ये गुलाबजामुन प्लेट में लुढ़ककर रायता–आचार–चटनी में नहीं घुसेंगे!
बाद में पता लगा शख्स इंजीनियर था।

गप्पू भगवान से – भगवान आपकी कृपा से मुझे रास्ते 1000 रुपए मिल जाएं तो मैं पक्का आपके चरणों 500 रुपए चढ़ा दूंगा..
कुछ दूर जाने पर गप्पू को 500 रुपए का नोट मिला....
गप्पू – प्रभु आपको इतना भी भरोसा न था जो अपना हिस्सा पहले ही काट लिया।

• आप जानते हैं...

दुनिया के खूबसूरत शहर...

आज हम आपको बताने जा रहे है दुनिया के सबसे खूबसूरत शहरों के बारे में। वैसे तो हम जब भी कहीं घूमने जाने का प्लान बनाते हैं तो हम ऐसी जगह जाते हैं जहां के नजारे बेहद खूबसूरत हो। लेकिन अगर आप विदेश जाने की सोच रहे हैं तो आइये आपको बताते हैं कुछ ऐसे शहरों के बारे में जो दुनिया के सबसे खूबसूरत शहर माने जाते हैं।

⏩ इंग्लैंड की राजधानी लंदन शहर दुनिया भर के पर्यटकों का मुख्य डेस्टिनेशन पॉइंट बन गया है। आपको बता दे कि यहां हर साल दुनिया भर से करीब 1.7 करोड़ लोग घूमने आते हैं और इसका मुख्य कारण है यहां की खूबसूरती और कई प्रसिद्ध दार्शनिक स्थल है।

⏩ यूरोप का सबसे बड़ा देश फ्रांस अपने मॉडर्न कल्चर और लजीज खाने के लिए दुनियाभर में मशहूर है। यहां की आर्ट हिस्ट्री और आर्किटेक्चर दुनियाभर के लोगो को अपनी तरफ आकर्षित करता है।

⏩ दुनिया के सबसे खूबसूरत देशो में इटली ने भी अपना कब्जा जमाया हुआ है। यहां की सिटी रोम सिटी ऑफ हिस्ट्री कही जाती है। हरे और नीले समुन्दरो के बीच स्थित यह देश अपने खूबसूरत चर्च के लिए भी फेमस है।

⏩ क्योटो आधुनिक जापान का पारंपरिक शहर है। यहां कई पुराने महल, किले और मंदिर देखे जा सकते हैं। साथ ही कुदरत का खूबसूरत नजारा भी लोगों को यहां खींचता है।

⏩ ब्रूज, बेल्जियम के इस शहर पर आज भी यूरोप के मध्यकालीन युग की छाप है। छोटी छोटी नहरों पर बने पुराने गिरजाघर शहर को अनोखा रूप देते हैं। यहां आना एक रोमांचक अनुभव है।

⏩ चेक गणराज्य के प्राग का किला करीब एक हजार साल पुराना है और दुनिया के सबसे बड़े किलों में शामिल है यहां शहर के बीचोबीच मौजूद 600 साल पुरानी घड़ी आज भी सही वक्त बताती है।

⏩ मैनहैटन, न्यूयॉर्क के 5 अहम इलाकों में से एक है। दुनिया में जब भी चकाचौंध और गगनचुंबी इमारतों की बात होती है तो मैनहैटन का जिक्र आता है। हडसन नदी पर बसा मैनहैटन सबसे सघन आबादी वाले द्वीपीय शहरों में से एक है। लगभग 60 वर्ग किलोमीटर के इस इलाके में 16 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं।

• लोक–कथा

आलसी का प्रण...

पुराने जमाने में एक बड़ा ही बलवान राजा था। उन दिनों हर राजदरबार में कुछ चारण-भाट हुआ करते थे। वे राजा के बड़े-बड़े कामों का गान किया करते थे। ऐसा ही एक चारण इस राजा के दरबार में रहता था। वह बूढ़ा और बुद्धिमान आदमी था। एक शाम उस चारण ने कहा-बिना ऊंचे उद्देश्य के जीने से अच्छा है कि जीवन में कोई न कोई उद्देश्य जरूर रखा जाए, भले ही वह कितना ही उल-जलूल क्यों न हो। इसी बात पर उसने एक कहानी सुनाई।

तेजा नाम का एक जाट था। वह बहुत आलसी था। अपने दिन खा और सोकर गुजार देता था। कोई काम नही करता था। जब वह छोटी उम्र का था तो पिता उसकी देखभाल करते थे। उसके पिता के गुजर जाने के बाद कुछ समय तक उसके भाई सहारा देते रहे। फिर एक धनी परिवार में उसका विवाह हो गया और बहुत वर्षों तक उसके ससुर उसका खर्च चलाते रहे लेकिन ऐसी बाते आखिर कितने दिन चलती। हर चीज की एक सीमा होती है ।

एक दिन सवेरे ही जाट की पत्नी ने जाकर बताया -हमारे पास जो कुछ भी था सब खत्म हो गया। तुम एक ऐसे आलसी जीव हो, जिसके जीवन का कोई लक्ष्य नही है। हर आदमी के जीवन का कोई न कोई लक्ष्य रहता ही है लेकिन तुम्हारे जीवन में कोई भी लक्ष्य नही है। कुछ समय तक मै अपने जेवर बेच बेचकर घर गृहस्थी चलाती रही लेकिन अब यह बात ठीक नही है ।

तेजा ठहरा अव्वल दर्जे का आलसी। वह सोचता था कि उसके जीवन में कोई निश्चीत लक्ष्य रखकर काम शुरू करना कठिन होगा इसलिए उसने कुछ ऐसा करने का विचार किया जो कम से कम उसे दिमागी तौर पर तो परेशान करे ही। उसने पत्नी से कहा -तुम चाहती हो न कि मै अपने जीवन में कोई लक्ष्य जरूर रखूं। बस मैंने फैसला किया है कि जब तक अपने पड़ोसी कुम्हार का मुंह नही देख लिया करूंगा, खाना नही खाया करूंगा।

उसकी पत्नी ने कहा -चलो, कुछ न होने से तो यही अच्छा रहेगा।

यह सिलसिला कुछ समय तक चलता रहा। एक दिन ऐसा हुआ कि कुम्हार अपना गधा लेकर सवेरे बहुत जल्दी बर्तन बनाने के लिए मिट्टी लाने चला गया। सुबह तेजा सोकर उठा तो पता चला कि कुम्हार कहीं चला गया है। उसे आश्चर्य हुआ। कुम्हार लौटने की प्रतीक्षा करता रहा लेकिन शायद कुम्हार मिट्टी लाने के लिए बहुत दूर निकल गया था । ज्यादा देर होती देखकर जाट ने निश्चय किया कि वह कुम्हार के पीछे खदान जाकर वही उसका मुंह देख आएगा।

कुम्हार मिट्टी खोद रहा था। खोदते-खोदते उसे एक बहुत बड़ा खजाना मिल गया। संयोग से जाट ने जिस समय कुम्हार का मुंह देखा, ठीक उसी समय कुम्हार को जमीन में खजाना दिखाई दिया था।

जाट ने दूर से ही कुम्हार का मुंह देख लिया और खाना-खाने के लिए घर की ओर मुड़ चला। कुम्हार ने सोचा कि हो न हो, जाट ने उसका खजाना देख लिया है और राजा को बताने जा रहा है। राजा उसके खजाने पर कब्जा कर लेगा।

बस कुम्हार चिल्ला पड़ा -ओ भैया लौट आओ।

जाट ने जवाब दिया-बस मैंने तुम्हे देख लिया, अब आने की क्या जरूरत है।

कुम्हार उसे बार-बार बुलाता रहा। वह कहता रहा -लौट आओ। जरा सुनो तो सही। जब जाट ने कुम्हार का बहुत ही आग्रह देखा तो कुम्हार के पास जा पहुंचा। वहा उसे सोने से भरा एक बड़ा बर्तन दिखाई दिया। कुम्हार ने कहा-हम इसे आपस में आधा-आधा बांट लेंगे।

इस तरह अपने जीवन में लक्ष्य रखने का तेजा को भरपूर इनाम मिला और उसके बाद वह अपने परिवार के साथ सुख से जीवन बिताने लगा।

तेजा नाम का एक जाट था। वह बहुत आलसी था। अपने दिन खा और सोकर गुजार देता था। कोई काम नही करता था।

जब वह छोटी उम्र का था तो पिता उसकी देखभाल करते थे। उसके पिता के गुजर जाने के बाद कुछ समय तक उसके भाई सहारा देते रहे। फिर एक धनी परिवार में उसका विवाह हो गया और बहुत वर्षों तक उसके ससुर उसका खर्च चलाते रहे लेकिन ऐसी बाते आखिर कितने दिन चलती। हर चीज की एक सीमा होती है...

• जानकारी...

रंगोली...

रंगोली भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा और लोक–कला है। अलग अलग प्रदेशों में रंगोली के नाम और उसकी शैली में भिन्नता हो सकती है लेकिन इसके पीछे निहित भावना और संस्कृति में पर्याप्त समानता है। इसे सामान्यतः त्योहार, व्रत, पूजा, उत्सव विवाह आदि शुभ अवसरों पर सूखे और प्राकृतिक रंगों से बनाया जाता है। इसमें साधारण ज्यामितिक आकार हो सकते हैं या फिर देवी देवताओं की आकृतियां। इनका प्रयोजन सजावट और सुमंगल है। इन्हें प्रायः घर की महिलाएं बनाती हैं। विभिन्न अवसरों पर बनाई जाने वाली इन पारंपरिक कलाकृतियों के विषय अवसर के अनुकूल अलग–अलग होते हैं। इसके लिए प्रयोग में लाए जाने वाले पारंपरिक रंगों में पिसा हुआ सूखा या गीला चावल, सिंदूर, रोली,हल्दी, सूखा आटा और अन्य प्राकृतिक रंगो का प्रयोग किया जाता है परन्तु अब रंगोली में रासायनिक रंगों का प्रयोग भी होने लगा है। रंगोली को द्वार की देहरी, आंगन के केंद्र और उत्सव के लिए निश्चित स्थान के बीच में या चारों ओर बनाया जाता है।

• सारस...

सारस पक्षी भारतीय उपमहाद्वीप के कुछ हिस्सों में ही अब पाया जाता है, यह विश्व का सबसे विशाल उड़ने वाला पक्षी भी है जो की मुख्यत: गंगा के मैदानी भागों और भारत के उत्तरी और उत्तर पूर्वी क्षेत्र में रहना पसंद करते हैं।
लाल तीतर : लाल रंग वाला यह पक्षी तीतर प्रजाति के पक्षी है जो की भारत के हिमालयी इलाको में पाया जाता है, गर्मियों में 8,000 से 14,000 फीट और सर्दियों में 6,000 फीट की ऊंचाई पर।